कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखन

भार मुक्त प्रमाण – पत्र ~~कार्यालय उपलब्ध~~ एवं पत्रों आधार पर

प्रार्थना–पत्र संख्या 1872/2017

प्रमाण–पत्र संख्या 1068/2017

श्री गार्डे बिल्डटेक प्रा० लि० अधिकृत हस्ताक्षरी अशोक कुमार उपाध्याय ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्ध में प्रमाण–पत्र

हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया। खाता संख्या –01153– खसरा संख्या– 286

2938, 2952, 2953, 3177, 3232, कुल विक्रीत रकबा

हे० का बकदर भाग स्थित – ग्राम मल्ली पश्चिम परगना

तह० मोहनलालगंज जिला लखनऊ।

जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोक्सों

वर्ष 2006 से 2017 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :–

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र लेखपत्र
उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर बजाहिर कोई भार नहीं						

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेख में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं हो

३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र
तैयार करने वाले लिपिक ~~के हस्ताक्षर~~

उप निबन्धक (प्रथम)
लखनऊ
निबन्धन अधिकारी के ह

8/8/17

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखन

भार मुक्त प्रमाण – पत्र बजारिये खतौनी एवं पत्र की आख्या

प्रार्थना–पत्र संख्या 1871/2017

प्रमाण–पत्र संख्या 1867/2017

श्री गर्ग रियल्टेक प्रा० लि० अधिकृत हस्ताक्षरी अशोक कुमार (उप... ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्ध में प्रमाण–पत्र

हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया। खाता सं० - 01153 - खसरा सं० 2856 28...
2859, 2863, का कुल विक्रीत रकबा - 0-1717 हे० ...
भाग स्थित ग्राम - बल्लीपोखरण परगना खिजनौर ...
व जिला तह० सरोजनी नगर लखनऊ।

जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोक्स

वर्ष 2006 से 2017 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :–

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र / लेखपत्र

उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर बजाहिर कोई भार नहीं पाया —

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेख में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं है

३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्रथम
लखनऊ
निबन्धन अधिकारी के
3/8/17

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखन

भार मुक्त प्रमाण – पत्र बजाहिये खतौनी ए... पत्र के आधार ...

प्रार्थना–पत्र संख्या 1874/2017

प्रमाण–पत्र संख्या 1870/2017

श्री गर्व बिल्डटेक प्रा0 लि0 आधिकृत हस्ताक्षरी आशीष कुमार उप... ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्ध में प्रमाण–पत्रों

हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया। खाता संख्या-00867-खसरा सं0 2916

3009 व, 3089, 3091, 3104, 3105, 3106, 3107 व 298

2897, कुल विक्रीत रकबा- 0.084380 का बकदर ...

ग्राम-बल्ली पीर पुर परगना बिजनौर तह0 सरोजनी नगर

जैसा आवेदन–पत्र में दिया है। लखनऊ।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोक्से

वर्ष 2006 से 2017 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :–

क्रम सं0	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र / लेखपत्र

उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर बजाहिर कोई भार

पाया

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेख
में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं ह

३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्र...
लखनऊ
निबन्धन अधिकारी के

3/8/17

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखन

भार मुक्त प्रमाण – पत्र बकौली ~~अवौनी खं~~ पत्र का आधार

प्रार्थना–पत्र संख्या 1877/2017

प्रमाण–पत्र संख्या 1873/2017

श्री गर्व बिल्डटेक प्रा० लि० अधिकृत हस्ताक्षरी अशोक कुमार उपाध्या ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्ध में प्रमाण–पत्र हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया। खाता संख्या x खसरा संख्या - 3080ग, 3171, 3173, 3222, 3259, 3260, 2350, 2351, 3080स, 3233 ग कुल विक्रित रकबा - 1.4844 हे० का बकद भाग लिपत कल्ली पश्चिम परगना बिजनौर तह० सरोजनी नगर जि जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोक्स वर्ष 2006 से 2017 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :–

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र / लेखपत्र
उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर पत्रावली कोई भार नहीं						

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेख में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं हो

३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्र
लखनऊ
निबन्धन अधिकारी के
3/8/17

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखन

भार मुक्त प्रमाण – पत्र बजरिये खतौनी एवं
पत्र के आधार पर

प्रार्थना–पत्र संख्या 1881/2017

प्रमाण–पत्र संख्या 18[illegible]/2017

श्री राव रियल्टर्स के प्रा०लि० अधिकृत द्वारा श्री अशोक कुमार (उप[illegible] ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्घ में प्रमाण–पत्र

हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया। खाता संख्या - 00554 - खसरा संख्या - 24[illegible]
2409, 2511, क, 2484 क 2560, 2563, 2569, 2570, 2[illegible]
2575, 2588, 2589, 2590 कुल विक्रीत रकबा 0.[illegible]
का रकबा ग्राम [illegible] ब्लाक परिक्रम, परगना बिजनौर [illegible]
जैसा आवेदन–पत्र में दिया है। तहसील सरोजनी नगर लखनऊ।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डेक्सों
वर्ष 2006 से 2017 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :–

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र [illegible] / लेखपत्र

उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर जाहिर कोई भार [illegible]
पाया गया।

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेखप[illegible]
में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं हो[illegible]

३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्रथ[illegible]
लखनऊ
निबन्धन अधिकारी के ह[illegible]
3/8/17

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखन

भार मुक्त प्रमाण – पत्र बजाहिर खतौनी की आधार पर

प्रार्थना–पत्र संख्या 1896/2017

प्रमाण–पत्र संख्या 1892/2017

श्री गार्डे रियल्टेक प्रा० लि० अधिकृत हस्ताक्षरी अशोक कुमार उपाध्याय ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्ध में प्रमाण–पत्र

हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया। खाता संख्या-00811 - खसरा संख्या- 2558, 2563, 2569, 2570, 2572मि 2575, 2588, 2589, का कुल विक्रीत रकबा - 0.0786 हे० का बकदर भाग ~~ग्राम-बल्ली पोरश्याम परगना बिजनौर तहसील सरोजनी~~

जैसा आवेदन–पत्र में दिया है। लखनऊ

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोक्सों

वर्ष 2006 से 2017 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :–

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र लेखपत्र
~~उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर बजाहिर कोई भार नहीं~~						

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेख में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं हो

३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्र
लखनऊ
निबन्धन अधिकारी के
3/8/17

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखन

भार मुक्त प्रमाण – पत्र ~~बजरिये श्यामो~~

वो आधार पर

प्रार्थना–पत्र संख्या 1892/2017

प्रमाण–पत्र संख्या 888/2017

श्री गार्वे बिल्डटेक प्रा० लि० अधिकृत हस्ताक्षरी अशोक कुमार उपाध्याय ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्घ में प्रमाण–पत्र

हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया। ~~खसरा संख्या – 01286 खसरा सं० 3233 ख~~ 2

~~विक्रीत रकबा – 1.475 हे० स्थित ग्राम पश्चिम परग~~

~~जिला० सरोजनी नगर जिला लखनऊ (म्यो~~

जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोक्सो

वर्ष 2006 से 2017 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :–

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र लेखपत्र
~~उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर बजाहिर कोई भार~~						

नापा –

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेख में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं हो

३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्रथ
लखनऊ

निबन्धन अधिकारी के ह
3/8/17

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखन

भार मुक्त प्रमाण – पत्र ~~बजाहिर खतौनी एवं~~ की आधार पर

प्रार्थना–पत्र संख्या 1890/2017

प्रमाण–पत्र संख्या 1886/2017

श्री गर्व विल्डटेक प्रा० लि० अधिकृत हस्ताक्षरी अशोक कुमार उप ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्ध में प्रमाण–पत्र

हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया। खाता संख्या – 00621 – खसरा संख्या – 559, 22

2311, 2318मि, 2410, 3267, – का कुल ~~विक्रीत~~ रकबा – 0. 9

का बकदर भाग स्थित : ग्राम – मल्ली पश्चिम परगना बिजनौ

सरोजनी नगर जिला लखनऊ।

जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोवसों

वर्ष 2006 से 2017 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :–

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र / लेखपत्र
उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर बजाहिर कोई भार न पाया गया —						

नोट– 1. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेख में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये

2. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं हो

3. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्रथ
लखनऊ
निबन्धन अधिकारी के
3/8/17

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखन

भार मुक्त प्रमाण – पत्र

प्रार्थना–पत्र संख्या.....

प्रमाण–पत्र संख्या.....

श्री.....ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्ध में प्रमाण–प

हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया।

जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोव

वर्ष 2006 से 2017 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखप लेख

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित ले
में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये ग

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं

३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये ग

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्रथ
लखनऊ
निबन्धन अधिकारी के
3/8/17

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखन

भार मुक्त प्रमाण – पत्र

प्रार्थना–पत्र संख्या 1876/2017

प्रमाण–पत्र संख्या 1872/2017

श्री .... ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्ध में प्रमाण–प्र

हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया।

2532 2533 2534 2537 2538 2541 2542 2543 2544 2545

जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डेक्

वर्ष 2006 से 2017 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखप

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित ले
में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये ग

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं

३. प्रमाण–पत्र में लेंखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये ग

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्र
लखनऊ

निबन्धन अधिकारी के

3/8/17

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखन

भार मुक्त प्रमाण – पत्र

बजारिये [illegible] पत्र के आधार प

प्रार्थना–पत्र संख्या 1873/2017

प्रमाण–पत्र संख्या 1869/2017

श्री रायल बिल्डटेक प्रा० लि० अधिकृत हस्ताक्षरी आशीष कुमार उपाध्या ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्ध में प्रमाण–पत्र

हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया। खाता सं० 01039 खसरा सं० 2354 ड 45

483, 2255, 538 कुल विक्रीत रकबा 1.357 हे० व

भाग स्थित ग्राम बल्ली पश्चिम परगना बिजनौर

सरोजनी नगर जिला लखनऊ।

जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोक्सो

वर्ष 2006 से 2017 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :–

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र / लेखपत्र
उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर बजरिये कोई भार नहीं पाया —						

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेख में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं हो

३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्रथ
लखनऊ

निबन्धन अधिकारी के ह
3/8/17

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखन…

भार मुक्त प्रमाण – पत्र बजाहिर खतौनी एवं … फा की आधार प…

प्रार्थना–पत्र संख्या 1885/2017

प्रमाण–पत्र संख्या 1881/2017

श्री गवि विल्डटेक प्रा0 लि0 अधिकृत हस्ताक्षरी अशोक कुमार उपाध्याय ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्ध में प्रमाण–पत्र हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया। खाता संख्या-00187 - खसरा संख्या - 593, 2… 2279अ, 2304, 2503, 3151क 3142, 2519, 2975ग, … रकबा 0.8875 हे0 का बकदर भाग स्थित ग्राम कल्ली … परगना बिजनौर तह0 सरोजनीनगर जिला लखनऊ।

जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोक्स… वर्ष 2006 से 2017 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :–

क्रम सं0	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र… / लेखपत्र…

उपलब्ध पत्रावली खतौनी के आधार पर बजाहिर कोई भार … पाया गया

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेख… में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये…

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं हो…

३. प्रमाण–पत्र में लेंखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये…

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्र…
लखनऊ
निबन्धन अधिकारी के ह…
3/8/17

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखन

भार मुक्त प्रमाण – पत्र बजरिये खतौनी
पत्र के आधार

प्रार्थना–पत्र संख्या 1889/2017

प्रमाण–पत्र संख्या 1885/2017

श्री गार्डे बिल्डटेक प्रा० लि० अधिकृत द्वारा अशोक कुमार उपाध्याय ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्ध में प्रमाण–पत्र

हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया। खाता संख्या – 00597 खसरा संख्या – 300-प रकब

का सम्पूर्ण भाग ~~[illegible]~~ हे० का बकदर भाग स्थित – ग्राम

पश्चिम परगना बिजनौर तहसील सरोजनी नगर जिला ल

जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोक्सों

वर्ष 2006 से 2017 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :–

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र
						लेखपत्र

उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर बजाहिर कोई भ

पाया जाता

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेख
में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं हो

३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्रथम
लखनऊ

निबन्धन अधिकारी के ह

3/8/17

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखन

भार मुक्त प्रमाण – पत्र [illegible]

प्रार्थना–पत्र संख्या 1900/2017

प्रमाण–पत्र संख्या 1896/2017

श्री [illegible] ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्ध में प्रमाण–पत्र

हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया। [illegible]

जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोक्सो

वर्ष 2006 से 2017 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :–

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र
[illegible]						

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेख में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं हो

३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्रथम
लखनऊ
निबन्धन अधिकारी के ह
3/8/17

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखन

भार मुक्त प्रमाण – पत्र

प्रार्थना–पत्र संख्या [illegible]

प्रमाण–पत्र संख्या [illegible]

श्री [illegible] ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्ध में प्र [illegible]

हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया।

[illegible]

जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्

वर्ष [illegible] से [illegible] तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पा

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र लेखपत्र
[illegible]						

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी न

३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं कि

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्रथ
लखनऊ
निबन्धन अधिकारी के

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लख

भार मुक्त प्रमाण – पत्र

प्रार्थना–पत्र संख्या.....

प्रमाण–पत्र संख्या.....

श्री.....ने निम्नलिखित के स्वामित्व के सम्बन्ध में प्रमाण–प

हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया।

जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डो

वर्ष.....से.....तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखप लेख

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित
में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये
२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं
३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये
4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्र
लखनऊ

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

निबन्धन अधिकारी
3/8/17

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखन

भार मुक्त प्रमाण – पत्र

प्रार्थना–पत्र संख्या.....

प्रमाण–पत्र संख्या.....

श्री.....ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्ध में प्रमाण–प

हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया।

जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डेक्

वर्ष.....से.....तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखप लेख

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित ले
में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं

३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्र
लखनऊ
निबन्धन अधिकारी

का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र
ण करने वाले के हस्ताक्षर

3/8/1

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखन

भार मुक्त प्रमाण – पत्र

प्रार्थना–पत्र संख्या [illegible]

प्रमाण–पत्र संख्या [illegible]

श्री [illegible] ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्ध में प्र

हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया।

[illegible] 2349 3169 2438 2402 2440 2487 2490

3068 2488 2497 3002 3008 3019 3071 3073 3074 3078 2

[illegible]

जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्

वर्ष 2006 से 2017 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पा

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र लेखप

[illegible] गया

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं कि

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी

३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं कि

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्रथ
लखनऊ
निबन्धन अधिकारी
3/8/17

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखन

भार मुक्त प्रमाण – पत्र

प्रार्थना–पत्र संख्या.....

प्रमाण–पत्र संख्या.....

श्री.....ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्ध में प्र

हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया।

जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि ~~(उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बही संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इ~~

वर्ष 2006 से 2017 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पा

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र लेखप

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं कि

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी

३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं वि

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्र
लखनऊ
निबन्धन अधिकारी
3/8/17

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखन

भार मुक्त प्रमाण – पत्र

प्रार्थना–पत्र संख्या 1893/2017 [illegible]

प्रमाण–पत्र संख्या 1889/2017 [illegible]

श्री [illegible] ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्ध में प्रमाण–पत्र

हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया।

[illegible] 2091, 2089, 2286, 3180, 3183, 3184, 3

3249, 2824 [illegible], 2847 [illegible] 3133, 3137

[illegible] 1.613 [illegible]

[illegible]

जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डेक्

वर्ष 2006 से 2017 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र / लेखप
[illegible]						

नोट– 1. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित ले में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये ग

2. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं

3. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये ग

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्र
लखनऊ
निबन्धन अधिकारी के
31/8/17

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखन

भार मुक्त प्रमाण – पत्र

प्रार्थना–पत्र संख्या 1291/2017

प्रमाण–पत्र संख्या 1887/2017

श्री ... ने निम्नलिखित के स्वामित्व के सम्बन्ध में प्रमाण–पत्र

हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया।

जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोक्स

वर्ष 2006 से 2017 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :–

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र / लेखपत्र

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेख में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी बरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं हो

३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्रथम)
लखनऊ
निबन्धन अधिकारी के
3/8/17

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखन

भार मुक्त प्रमाण – पत्र

प्रार्थना–पत्र संख्या 1884/2017 [illegible]

प्रमाण–पत्र संख्या 1880/2017

श्री [illegible] ने निम्नलिखित के स्वामित्व के सम्बन्ध में प्रमाण–पत्र

हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया। [illegible] 2559, 2560, 2569, 2570, [illegible]

[illegible]

जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोक्सों

वर्ष 2006 से 2017 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :–

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र / लेखपत्र
[illegible]						

नोट– 1. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेख में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये

2. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं हो

3. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्रथ
लखनऊ
निबन्धन अधिकारी के ह
3/8/17

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखन

भार मुक्त प्रमाण – पत्र

प्रार्थना–पत्र संख्या 1875/2017

प्रमाण–पत्र संख्या 1871/2017

श्री [illegible] ने निम्नलिखित के स्वामित्व के सम्बन्ध में प्रमाण–पत्र

हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया।

[illegible] 3075, 3076, 3077, 3080 ड, 3162, 3221, [illegible]
2211, 3316, 3080, 3171, 3173, 3222, 3205, 3260, 308[illegible]
3145, 3080 ड [illegible] 2.0454 हे० [illegible]

[illegible]

जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोक्स

वर्ष 2006 से 2017 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :–

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र / लेखपत्र
[illegible]						

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेख में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं हो

३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्रथ
लखनऊ
निबन्धन अधिकारी के
3/8/17

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखन

भार मुक्त प्रमाण – पत्र [illegible]

प्रार्थना–पत्र संख्या [illegible]/2017

प्रमाण–पत्र संख्या [illegible]/2017

श्री [illegible] आदि [illegible] ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्ध में प्र

हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया।

[illegible] 2014 2015 [illegible] 2051, 2053 [illegible]

[illegible] 2019 2020, 2021 [illegible] 2024 [illegible]

[illegible] 3045 [illegible] 3052 3053 3054 [illegible] 3062, [illegible]

[illegible]

जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

[illegible] मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन

वर्ष 2006 से 2017 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार प

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र / लेखप
[illegible]						

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं कि

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी

३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं वि

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (
लखनऊ
निबन्धन अधिकारी

3/8/1

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखन

भार मुक्त प्रमाण – पत्र

प्रार्थना–पत्र संख्या.....

प्रमाण–पत्र संख्या.....

श्री.....ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्ध में प्र

हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया।

जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्ड

वर्ष.....से.....तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पा

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र / लेखपत्र

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी न

३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किय

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्रथम)
लखनऊ
निबन्धन अधिकारी के

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखन

भार मुक्त प्रमाण – पत्र

प्रार्थना–पत्र संख्या.....

प्रमाण–पत्र संख्या.....

श्री.....ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्ध में प्र

हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया।

जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा सत्यापित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बही संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्ड

वर्ष.....से.....तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पा

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र लेखपत्र

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी न

३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं कि

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्र
लखनऊ
निबन्धन अधिकारी व
3/8/1

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखन

भार मुक्त प्रमाण – पत्र

प्रार्थना–पत्र संख्या 1878/17 [illegible]

प्रमाण–पत्र संख्या 1879/17 [illegible]

श्री [illegible] ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्ध में प्रमाण–पत्र [illegible]

हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया।

[illegible] 2233, 2170, 2438 स, 2907 ल, 3164, 2458, 33[illegible]

[illegible] 3160, 3161, 2438 द 2207, 31395 3363, [illegible]

2354 अ, 2808, 2357 [illegible], 605, 607, 2338 [illegible]

[illegible]

[illegible]

जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोक्स[illegible]

वर्ष 2006 से 2017 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :–

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र / लेखप[illegible]
[illegible]						

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेख[illegible] में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये गय[illegible]

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं ह[illegible]

३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गय[illegible]

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्रथम[illegible]
लखनऊ
निबन्धन अधिकारी के [illegible]
3/8/17

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखनऊ

भार मुक्त प्रमाण – पत्र

[illegible]

प्रार्थना–पत्र संख्या 1883/17

प्रमाण–पत्र संख्या 1879/17

श्री [illegible] ने निम्नलिखित के स्वामित्व के सम्बन्ध में प्रमाण–पत्र हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया।

आराजी 3069 क, 3069 ख, 484, 2414, 2374, 3092, 3111, 3112, 3113, 2440 क, 2479, 3076, 3080 5, 3283, 2350, 2351, 2780 क, 2782, 3040 ख, 2811 ख, 2842, 2800, 2851, 2853, 2863 क, 2904, 2906 ख, 2916 क, 2920, 2921, 2922, 2923, 2924, 2994, 2995, ... 2339, 2331, 2337, 2338 ख ... [illegible]

जैसा आवेदन–पत्र में दिया है। 2.170350 हेक्टेयर [illegible]

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोक्सों

वर्ष 2006 से 2017 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :–

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र सं... / लेखपत्र
[illegible]						

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेखप... में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये ...

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं होग...

३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये ...

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्रथम) लखनऊ

निबन्धन अधिकारी के ह...

3/8/17

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखन

भार मुक्त प्रमाण – पत्र

प्रार्थना–पत्र संख्या 1886/17

प्रमाण–पत्र संख्या 1889/17

श्री ... ने निम्नलिखित के स्वामित्व के सम्बन्ध में प्रमाण–पत्र
हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया। 381, 386, 387, 388-ए 391, ...
2400 2401, 3396, 3003, ... 0.2552 ...

जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोक्से
वर्ष 2006 से 2017 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :–

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र / लेखपत्र

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेख
में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये
२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं हो
३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये
4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्रथम
लखनऊ
निबन्धन अधिकारी के ह

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

3/8/17

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखन

भार मुक्त प्रमाण – पत्र

प्रार्थना–पत्र संख्या 1887/2017 [illegible]

प्रमाण–पत्र संख्या 1883/2017

श्री [illegible] ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्ध में प्रमाण–पत्र [illegible]
हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया।

[illegible] 556, 2312, 2909, 2926, 2928, 2929, 2931, 2930, 2933, 2940, 2941, 2942, 3000, 2927, 2926, 2934, 2936, 2342, 320, 3141, 2711, 2525, 2358, 2494, 2541, 2586, 2290, 2291, 2760, 2708, 2870, 2874, 2877, 2783, 2784, 2786, 2192, 2703, 3004, 2781, 2781, 540, 541, 546, 487, 483, 3040, 3043, 2197, 3128, 3129, 3130, 3140, 3141, 3142 [illegible]

जैसा आवेदन–पत्र में लिखा है। 2402, 2038 [illegible]

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोक्सों

वर्ष 2006 से 2017 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :–

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र / लेखपत्र
[illegible]						

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेखप में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं होग

३. प्रमाण–पत्र में लेंखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्रथ
लखनऊ
निबन्धन अधिकारी के ह
3/8/17

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखन

भार मुक्त प्रमाण – पत्र

प्रार्थना–पत्र संख्या 1288/17

प्रमाण–पत्र संख्या 1284/2017

श्री ..... ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्ध में प्रमाण–पत्र

हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया।

जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोक्सों

वर्ष 2006 से 2017 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :–

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र / लेखपत्र

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेख में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं हो

३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्रथम)
लखनऊ

3/8/17

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखन

भार मुक्त प्रमाण – पत्र

प्रार्थना–पत्र संख्या 1895/2017 [illegible]

प्रमाण–पत्र संख्या 1890/2017

श्री [illegible] ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्ध में प्रमाण–पत्र हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया।

[illegible] 2336, 2337, 2338, 2354, 2209, 2378, 2352, 2356, 3345, 3373, 3466, 2238, 2214, 2363, 2364, 80 8051 [illegible]

जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोक्स वर्ष 2006 से 2017 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :-

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र / लेखप
[illegible]						

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेख में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं ह

३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्रथम) लखनऊ

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

निबन्धन अधिकारी के

3/8/17

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखन

भार मुक्त प्रमाण – पत्र

प्रार्थना–पत्र संख्या.....

प्रमाण–पत्र संख्या.....

.....ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्ध में प्र

हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया।

जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्ड

वर्ष 2016 से 2017 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पा

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र लेखपत्र

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी न

३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं कि

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्रथम
लखनऊ
निबन्धन अधिकारी के
3/8/17

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखन

भार मुक्त प्रमाण – पत्र बकोटि खतौनी

शपथपत्र की आ
जारी —

प्रार्थना–पत्र संख्या 1895/2017

प्रमाण–पत्र संख्या 1891/2017

श्री गर्ग स्टील टेक प्रा० लि० अधिकृत हस्ताक्षरी अशोक कुमार (उ ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्घ में प्रमाण–पत्र

हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया। खाता संख्या-00662. खसरा संख्या-3

कुल विक्रीत रकबा-1-0.120 हे० का बन्धक भाग

परगना बिजनौर तह० सरोजनी नगर लख

जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इन्डोक्सों

वर्ष 2006 से 2017 तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार पाये गये :–

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखपत्र स लेखपत्रि

उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर कोई भार नहीं पाया गया —

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धित लेखप में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं किये गये

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदायी नहीं होग

३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं किये गये

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक (प्रथम
लखनऊ
निबन्धन अधिकारी के ह
3/8/17

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण पत्र
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर

कार्यालय उप निबन्धक लखनऊ जनपद, लखन

भार मुक्त प्रमाण – पत्र

प्रार्थना–पत्र संख्या.....

प्रमाण–पत्र संख्या.....

श्री.....ने निम्नलिखित के स्वामित्व के समबन्ध में

हेतु मेरे समक्ष आवेदन–पत्र प्रस्तुत किया।

जैसा आवेदन–पत्र में दिया है।

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित) बड़ी संख्या में एवं उनसे सम्बन्धित इ

वर्ष.....से.....तक तलाश किया गया था, उक्त सम्पत्ति पर निम्नलिखित भार

क्रम सं०	सम्पति का विवरण	निष्पादन तिथि	किसी भी लेखपत्र का व सम्पत्ति का मूल्यांकन	निष्पादन की तिथि	दावेदारी का नाम	लेखप लेख

नोट– १. प्रमाण–पत्र में दाखिल भार की तलाश प्रार्थी प्रस्तुत सम्पत्तियों के विवरण के सन्दर्भ में कि गयी है, निबन्धि
में यदि सम्पत्तियों प्रार्थी द्वारा दर्शित दूरी से भिन्न दिखाई है तो ऐसे मामले इस प्रमाण–पत्र में सम्मिलित नहीं

२. सम्बन्धित अधिकारी द्वारा वाँछित तलाश में तथा सावधानी वरती गयी है, फिर भी किसी त्रुटि की दशा में उत्तरदा

३. प्रमाण–पत्र में लेखपत्र जो कार्यालय में प्रस्तुत नहीं हुए किन्तु उनका अध्यावधिक निबन्धन हुआ है, सम्मिलित नहीं

4. यह भारमुक्त प्रमाण–पत्र किसी प्राकार के स्वामित्व का प्रमाण नहीं है।

तलाश करने वाले व प्रमाण–पत्र
तैयार करने वाले लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक
लखनऊ
निबन्धन अधिक
3/8/1

तलाश का सत्यापित एवं प्रमाण–पत्र
का परीक्षण करने वाले के हस्ताक्षर